पाठकों के हाथों में पहुंची डा. नसीब सिंह की पुस्तक 'डोगरी लोकगाथां स्वरूप ते विश्लेषण'

- जम्मू यूनिवर्सिटी में पंजाबी विभाग के हाल में आयोजित हुआ कार्यक्रम
- कला अकादमी के सचिव भरत सिंह थे कायक्रम में मुख्य अतिथि

अपनी पुस्तक के विमोचन समारोह में संबोधित करते डा. नसीब सिंह मन्हास • जागरण

जागरण संवाददाता, जम्मू : डा. नसीब सिंह की नई पुस्तक 'डोगरी लोकगाथां स्वरूप ते विश्लेषण' का जम्मू यूनिवर्सिटी के डोगरी विभाग की ओर से पंजाबी विभाग के सेमिनार हाल में आयोजित कार्यक्रम में विमोचन किया गया। कार्यक्रम में जम्मू कश्मीर कला संस्कृति एवं भाषा अकादमी के सचिव भरत सिंह मन्हास मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पदमश्री मोहन सिंह ने की। यह पुस्तक लेखक ने प्रोफेसर वीणा गुप्ता और उनके गुरु डा. गोस्वामी को समर्पित की है।

प्रोफेसर सुचेता एचओडी डोगरी ने आमंत्रित अतिथियों, विशिष्टजनों और दर्शकों का स्वागत किया। पुस्तक के लेखक डा. नसीब सिंह मन्हास ने पुस्तक पर एक संक्षिप्त टिप्पणी प्रस्तुत की और अपने करियर की यात्रा से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें लिखने का शौक हुआ और किन लोगों के प्रोत्साहन के चलते वह लगातार लिखते आ रहे हैं। प्रोफेसर वीणा गुप्ता ने लेखक की उपलब्धियों कहा कि डा. नसीब सिंह डोगरी विभाग की देन हैं।

उन्होंने डा. नसीब सिंह की लेखनी को डोगरी साहित्य में एक मील का पत्थर बताया। पदमश्री मोहन सिंह ने डा. नसीब सिंह मन्हास की पुस्तक और प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि कैसे मन्हास डोगरी के हर आंदोलन के अग्रिम योद्धाओं में से एक कलाकार हैं। इस अवसर पर लेखक ने भरत सिंह मन्हास, पदमश्री मोहन सिंह, प्रोफेसर वीणा गुप्ता, डा. ओम गोस्वामी, प्रोफेसर सुचेता पठानिया और साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित विजय वर्मा को सम्मानित किया गया। इस मौके पर समारोह में शमशेर सिंह चाढ़क, डा. ललित गुप्ता, चंद्रशेखर बंटी, राकेश आनंद, हीरा